कर्मचारी स्वयंसेवी- एसबीआई बाल कल्याण कोष:

"परोपकार घर से ही शुरू होता है" के सिद्धांत के साथ आपके बैंक ने वर्ष 1983 में - एसबीआई बाल कल्याण कोष की स्थापना की, जो कि स्टाफ सदस्यों द्वारा की गई एक पहल है। वंचित तथा अनाथ बच्चों की बेहतरी के लिए बैंक के स्टाफ द्वारा स्वैच्छिक योगदान से इस ट्रस्ट का सृजन किया गया। कोष की राशि पर कमाए गए ब्याज का उपयोग अनाथ, दिव्यांग, वंचित बच्चों आदि के कल्याण के काम में लगे संस्थानों को अनुदान देने के लिए किया जाता है। वर्ष 2020-21 के दौरान बैंक के स्टाफ द्वारा रु. 0.54 करोड़ का योगदान प्राप्त हुआ तथा आपके बैंक ने उन बच्चों के कल्याण के लिए काम करने वाले देश के 8 संस्थानों/ संगठनों को रु. 0.64 करोड़ रुपए का दान किया है, जो दिव्यांग सहित समाज के वंचित तथा दलित वर्गों के हैं।

V. अनुषंगियाँ

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईकैप)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	मार्च 2021 के लिए शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	58.03	100%	273.25
एसबीआईकैप सिक्यूरिटीज लिमिटेड (एसएसएल)	लागू नहीं		207.12
एसबीआईकैप वैंचर्स लिमिटेड (एसवीएल)			37.04
एसबीआईकैप (सिंगापुर) लिमिटेड (एसएसजीएल)			(4.15)
एसबीआईकैप ट्रस्टी कं. लिमिटेड (एसटीसीएल)			12.98

एसबीआईसीएपी भारत का अग्रणी निवेश बैंकर है, जो तीन उत्पाद समूहों-परियोजना सलाहकार और संरचित वित्त, इक्विटी पूंजी बाजार और ऋण पूंजी बाजार में विविध ग्राहकों को कई निवेश बैंकिंग और कॉरपोरेट सलाहकार सेवाएं प्रदान करता है। इन सेवाओं में परियोजना सलाहकार, ऋण सिंडिकेशन, संरचित ऋण प्लेसमेंट, विलय और अधिग्रहण, निजी इक्विटी, पुनर्गठन सलाहकार, तनावग्रस्त संपत्ति संकल्प, आईपीओ, एफपीओ, अधिकार निर्गम, ऋण और हाइब्रिड पूंजी जुटाने शामिल हैं। एसबीआईकैप सरकार की परिसंपत्ति मुद्रीकरण योजना के अनुरूप रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनवआईटी) जैसे नए उत्पादों के माध्यम से फंड जुटाने में भी शामिल है।

उत्पाद समूहों में एसबीआईकैप का स्थान नीचे दिया गया है:

- स्थान नंबर 1 -स्थानीय मुद्रा (INR) में भारत उधारकर्ता ऋण - अनिवार्य लीड व्यवस्था - ब्लूमबर्ग लीग तालिकाओं के अनुसार 74.4% की बाजार हिस्सेदारी।
- रिफाइनिटिव के अनुसार भारत में उभरते बाजारों, विलय और अधिग्रहण सौदों की रैंकिंग में नंबर 1 रैंक।
- ब्लूमबर्ग लीग तालिका के अनुसार ऋण पूंजी बाजार क्षेत्र में 12.13% की बाजार हिस्सेदारी के साथ वित्त वर्ष 21 में तीसरे स्थान पर है।
- प्राइम डाटाबेस के अनुसार इक्विटी कैपिटल मार्केट स्पेस में इश्यू राशि के आधार पर 69.5% की बाजार हिस्सेदारी के साथ लीग तालिकाओं में नंबर 3 रैंक है।

स्टैंडअलोन आधार पर, एसबीआईसीएपी ने वित्त वर्ष 2020 के 275.56 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त वर्ष 2021 के दौरान 383.25 करोड़ रुपये का कर पूर्व लाभ दर्ज किया तथा वित्त वर्ष 2020 में 215.43 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त वर्ष 2021 में 273.25 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ दर्ज किया। समेकित आधार पर इसने पिछले वर्ष के 334.49 करोड़ रुपये की तुलना में 527.10 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है।

क एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड (एसएसएल)

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एसएसएल, खुदरा और संस्थागत ग्राहकों को नकदी के साथ-साथ वायदा और विकल्प खंडों दोनों में इक्विटी ब्रोकिंग सेवाएं प्रदान करने के अलावा, अन्य वित्तीय उत्पादों जैसे म्यूचुअल फंड, टैक्स फ्री बॉन्ड्स, होम लोन, ऑटो लोन के खुदरा वितरण में भी लगी हुई है।

एसएसएल की 101 से अधिक शाखाएं हैं और खुदरा और संस्थागत दोनों ग्राहकों को डीमैट, ई-ब्रोकिंग, ई-आईपीओ और ई-एमएफ सेवाएं प्रदान करती हैं। इस समय एसएसएल के करीब 24 लाख क्लाइंट हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 21 के दौरान 207.12 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 20 में यह 84.94 करोड़ रुपये रहा।

ख एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड (एसवीएल)

एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड (एसवीएल), एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, वर्तमान में दो फंडों का प्रबंधन करती है: नीव फंड और एसडब्ल्यूएएमआईएच इन्वेस्टमेंट फंड।

नीव फंड सेबी पंजीकृत श्रेणी I एआईएफ है, जो आठ कम आय वाले राज्यों के बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश करने के लिए जनादेश के साथ है। एसवीएल 63.64 करोड़ रुपये का निवेश जो फंड साइज का 12.61% है, के साथ नीव फंड में एक सामान्य भागीदार है। फंड ने अपने निवेश योग्य निधि के 447.99 करोड़ रुपये 10 पोर्टफोलियो कंपनियों में निवेश किया है। एसवीएल की वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही में एसवीएल-एसएमई फंड (नीव II) की शुरुआत की घोषणा करने की योजना है।

एसडब्ल्यूएएमआईएच इन्वेस्टमेंट फंड। सेबी पंजीकृत श्रेणी-II एआईएफ है जिसने 6 दिसंबर, 2019 को अपनी पहली क्लोसिंग में ₹ 10,037.50 करोड़ रुपये हासिल किया जिसमें भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और संस्थान निवेशक के रूप में सम्मिलित हैं। इसे रुकी हुई आवास परियोजनाओं को अंतिम मील की फंडिंग देने का जनादेश है। निधि ने 38 परियोजनाओं में 1,268.40 करोड़ रुपये वितरित कर दी है।

कंपनी को दो फंड ऑफ फंड्स-सेल्फ रिलायंट इंडिया फंड और यूके इंडिया डेवलपमेंट कोऑपरेशन फंड के लिए एसेट मैनेजर के रूप में भी चुना गया है जो शुरूआत की प्रक्रिया में है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2021 के दौरान 37.04 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 20 में यह 11.01 करोड़ रुपये था।

ग एसबीआईकैप (सिंगापुर) लिमिटेड (एसएसजीएल)

एसएसजीएल एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। इसने दिसंबर, 2012 में कारोबार शुरू किया था। एसएसजीएल परिचालन को समाप्त करने की प्रक्रिया में है।

घ एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एसटीसीएल)

एसटीसीएल एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। एसटीसीएल ने 01 अगस्त, 2008 से सिक्यूरिटी ट्रस्टी बिजनेस शुरू किया था।

वित्त वर्ष 21 में समाप्त अवधि के लिए एसटीसीएल ने 12.98 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया जबकि वित्त वर्ष 20 के लिए यह 20.52 करोड़ रुपये था।

एसटीसीएल इन्फ्रा परियोजनाओं, बड़े और मध्यम कॉर्पोरेट्स को उच्च मूल्य ऋण देने के लिए सुरक्षा ट्रस्टी सेवाएं प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभाता है और उद्योग में नंबर 1 सुरक्षा ट्रस्टी है। डिबेंचर/बॉन्ड मार्केट में डिबेंचर ट्रस्टी के रूप में भी उनकी महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

इसके अलावा एसटीसीएल ने अपनी सेवाओं में सुविधा एजेंट, दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली (डीएमएस) और प्रतिभूतिकरण की भूमिका को जोड़ा है।

एसबीआई कार्ड एंड पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (एसबीआईकार्ड)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई का शेयर)	स्वामित्व %	कर पश्चात लाभ (₹ करोड़ में) विव21
एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	652.63	69.39%	985

एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (एसबीआईकार्ड) भारतीय स्टेट बैंक की सहायक कंपनी है जिसमें भारतीय स्टेट बैंक की 69.39% हिस्सेदारी है। एसबीआई कार्ड एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (जिसे पूर्व में एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है जो व्यक्तिगत कार्डधारकों और कॉरपोरेट ग्राहकों को व्यापक क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो प्रदान करती है जिसमें आय प्रोफाइल और जीवनशैली के मामले में सभी प्रमुख कार्डधारकों के खंडों को शामिल करने वाले कॉरपोरेट कार्ड के साथ जीवनशैली, पुरस्कार, यात्रा और ईंधन और बैंकिंग साझेदारी कार्ड शामिल हैं। इसमें विविध ग्राहक अधिग्रहण नेटवर्क है जो कई चैनलों में संभावित ग्राहकों को शामिल करने में सक्षम बनाता है। एसबीआई कार्ड एक टेक्नोलॉजी से चलने वाली कंपनी है।

वित्त वर्ष 21 के दौरान, कंपनी ने कोविड महामारी से प्रभावित प्रतिकूल वृहद आर्थिक वातावरण में काम किया। कोविड लॉक-डाउन प्रतिबंधों को कम करने के बाद उच्च नए खातों, खर्चों और प्राप्तियों के मामले में एक मजबूत व्यापार वृद्धि हुई है। हालांकि, ऋण जोखिम की स्थिति हमारे आसपास के मैक्रो-इकोनॉमिक घटकों द्वारा प्रभावित हो रही है जिससे उच्च ऋण लागत होती है। कंपनी ने उगाही और वसूली में सुधार के लिए कई पहल की। भविष्य के ऋण जोखिमों से खुद का बचाव करने के लिए, कंपनी ने उच्च प्रावधान किए है और समग्र प्रबंधन प्रावधान मार्च 21 तक ₹ 297 करोड़ है। यह 1,358 करोड़ रुपये के आधार प्रावधानों के अतिरिक्त है।

कंपनी ने 4,024 करोड़ रुपये का ऋण लागत पूर्व आय कमाया है जो वर्षानुवर्ष आय का 10% है। वित्त वर्ष 2021 का कर पश्चात लाभ 985 करोड़ रुपये था जबकि वित्त वर्ष 2020 के लिए यह 1,245 करोड़ रुपये था।

वित्तीय प्रदर्शन (विव21)

- कर पश्चात लाभ 985 करोड़
- आय के लिए लागत 53.6% (वित्त वर्ष 20-56.6%)
- विविध उधार मिश्रण, पर्याप्त बैंकिंग सीमा उपलब्ध है।
- स्वस्थ पूंजी पर्याप्तता अनुपात @ 24.8%, टी-1 @ 20.9%
- जीएनपीए @ 4.99%, एनएनपीए @ 1.15%

वित्त वर्ष 21 के अन्य व्यवसाय के प्रदर्शन की मुख्य बातें

- 1.18 करोड़ का कार्ड आधार
- कार्ड में 12% की वृद्धि; प्राप्तियों में 4% की वृद्धि
- लगातार दोनों कार्डों की संख्या और खर्च के मामले में दूसरे स्थान पर
- मार्केट शेयर *: कार्ड 19.0% (वित्त वर्ष 20 18.3%), 19.5% खर्च (वित्त वर्ष 20 17.9%) (* फरवरी 21 तक उपलब्ध आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार)

नई लॉन्च और साझेदारियां

- आईआरसीटीसी रुपेकार्ड का शुभारंभ
- एसबीआई एमेक्स कार्ड का शुभारंभ
- पेटीएम के साथ साझेदारी से पेटीएम एसबीआई कार्ड, पेटीएम एसबीआई कार्ड सेलेक्ट
- डिजिटल साझेदारियों और पोर्टफोलियो को बढ़ाने के लिए गूगल पे और जियो पे सहित प्रमुख खिलाड़ियों के साथ साझेदारी की
- बीपीसीएल प्रीमियम कार्ड का शुभारंभ-बीपीसीएल एसबीआई कार्ड ऑक्टेन
- एक नया कोब्रांडेड कार्ड लॉन्च: दिल्ली मेट्रो एसबीआई कार्ड
- आमंत्रण आधार पर समृद्ध ग्राहकों के लिए ऑरम कार्ड का शुभारंभ, व्यक्तिगत किट और धातु कार्ड के साथ विशेष प्रिविलेज सहित।

डिजिटल अभियान

- संपर्क रहित विज्ञापन अभियान (सितंबर-अक्तूबर'20)
- वित्त वर्ष 2021 की तीसरी तिमाही के दौरान उत्सव अभियान 'अपनेपनवाली दिवाली'
- वित्त वर्ष 2021 की चौथी तिमाही में संपर्क रहित विज्ञापन अभियान और एसबीआई कार्ड मोबाइल ऐप अभियान

वित्त वर्ष 21 के दौरान प्राप्त महत्वपूर्ण पुरस्कार:

- 30 जून 2020 को आयोजित इकनॉमिक टाइम्स आइकॉनिक ब्रांड डिजिटल कॉन्क्लेव में आइकॉनिक ब्रांड ऑफ इंडिया 2020 पुरस्कार
- अक्तूबर 2020 में ग्राहक संपर्क सप्ताह एशिया उत्कृष्टता पुरस्कार 2020 में बेस्ट-इन-क्लास संपर्क केंद्र (100 से अधिक सीटें) के लिए कांस्य पुरस्कार
- एसबीआई कार्ड पे ने InnTech2020 पुरस्कार जीता। यह पुरस्कार एसबीआई कार्ड और महिंद्रा कॉमिवा ने संयुक्त रूप से नवंबर 2020 में जीता था
- एसबीआई कार्ड को आपदा प्रबंधन और भंडारण प्रौद्योगिकी की श्रेणी के तहत दो पुरस्कार मिले हैं
- वर्ष 2020 के लिए मोबाइल लर्निंग टेक्नोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ पहल के लिए एसबीआई कार्ड पुरस्कृत
- एसबीआई कार्ड को मार्च 2021 में इकनॉमिक टाइम्स द्वारा बेस्ट-इन-क्लास एंटरप्राइज-वाइड डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए सम्मानित किया गया है।

एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड (एसबीआई डीएफएचआई)

(₹ करोड़ में)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	31 मार्च 2021 को शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	131.52	69.04%	₹251.67

एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड अखिल भारतीय मौजूदगी के साथ सबसे बड़ा स्टैंड अलोन प्राइमरी डीलर (पीडी) है। प्राथमिक डीलर (पीडी) के रूप में प्राथमिक नीलामी में पुस्तक निर्माण प्रक्रिया का समर्थन करना और जी-सेक में द्वितीयक बाजारों को गहराई और तरलता प्रदान करना अनिवार्य है। सरकारी प्रतिभूतियों के अलावा, यह मुद्रा बाजार लिखतों, गैर-जी-सेक ऋण लिखतों से भी संबंधित है। प्राथमिक डीलर के रूप में, इसकी व्यावसायिक गतिविधियों को आरबीआई द्वारा विनियमित किया जाता है। भारतीय स्टेट बैंक समूह का कंपनी में 72.17% हिस्सेदारी है। इसने 31 मार्च 2021 तक 251.67 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था, जबकि 31 मार्च 2020 तक यह 176.34 करोड़ रुपये था। 31 मार्च 2021 तक तुलन पत्र का कुल आकार 10,013.89 करोड़ रुपये था, जबकि 31 मार्च 2020 तक यह 11,383.36 करोड़ रुपये था।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसबीआईजीआईसी)

(₹ करोड़ में)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	31 मार्च 2021 को शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	151	70%	544

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इंश्योरेंस ऑस्ट्रेलिया ग्रुप (आईएजी) के बीच संयुक्त उद्यम के रूप में अपना परिचालन शुरू किया। 27 मार्च 2020 को आईएजी द्वारा हिस्सेदारी बिक्री के अनुसार, एसबीआई 70% का मालिक है, जबकि नैपियन अपॉर्च्युनिटीज एलएलपी (प्रेमजी इन्वेस्ट एफिलिएट) 16.01% का मालिक, हनी व्हीट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड, वारबर्ग पिनकस ग्रूप की 9.99% हिस्सेदारी है, पीआई अपॉर्च्यूज फंड-1 2.35% का मालिक और एक्सिस न्यू अपॉर्च्यूमेंट एआईएफ-आई एसबीआई जनरल इंश्योरेंस में 1.65% हिस्सेदारी का मालिक है।

कोविड-19 का प्रकोप बेहद चुनौतीपूर्ण और अभूतपूर्व रहा है। इसके चलते कारोबारों के काम करने के तरीके में अचानक बदलाव आ गया है। बीमा कंपनियों के लिए भी, स्थिति के कारण व्यापार निरंतरता के लिए काम करने के तरीके को नए सिरे से परिभाषित किया गया है। कंपनी की मजबूत व्यापार निरंतरता योजना, डिजिटल बुनियादी ढांचे और चुस्त प्रक्रियाओं के कारण कार्य पद्धति, प्रक्रिया स्वचालन और ग्राहकों के लिए निर्बाध सेवा को सक्षम किया।

एसबीआई जनरल ने एसबीआईजीआई 2.0 का अनावरण करते हुए अपनी ब्रांड पहचान को नया रूप दिया। यह नई पहचान मूल ब्रांड, एसबीआई के आंतरिक मूल्यों के साथ-साथ डिजिटल गतिशीलता और भविष्य की तत्परता को दर्शाती है। नई टैगलाइन 'सुरक्षा और भरोसा दोनों' ग्राहकों के लिए ब्रांड वादे के रूप में गर्व से खड़ा है। एसबीआईजीआई 2.0 सभी ग्राहकों के लिए सुरक्षा के साथ-साथ उच्च परिचालन क्षमता और त्वरित प्रतिक्रिया समय लाने का वादा करता है। कंपनी का ध्यान एक मजबूत बहु-वितरण मॉडल के माध्यम से सरल, समझने में आसान और किफायती उत्पाद प्रदान करने पर केंद्रित है, जिसमें बैंकश्योरेंस, एजेंसी, ब्रोकिंग और रिटेल डायरेक्ट चैनल शामिल हैं। एसबीआई जनरल के वितरण परिवार में स्टेट बैंक समूह के कर्मचारियों सहित 25,000 से अधिक आईआरडीएआई प्रमाणित कर्मचारी और देश के दूरदराज क्षेत्रों में भी बीमा आसानी से उपलब्ध कराने के लिए 13,000 से अधिक एजेंट शामिल हैं। कंपनी ने दीर्घकालिक टिकाऊ मूल्य बनाने के प्रयास के साथ भारत के अग्रणी ऑटोमोबाइल उत्पादकों, वेब एग्रीगेटर और दलालों के साथ रणनीतिक साझेदारी में भी प्रवेश किया है।

एसबीआई जनरल ने वित्त वर्ष 21 में 8,312 करोड़ रुपये का सकल लिखित प्रीमियम हासिल किया है, जबकि वित्त वर्ष 20 में 6,840 करोड़ रुपये का था। कंपनी ने वित्त वर्ष 21 में 4.16% की बाजार हिस्सेदारी के साथ 22% की वृद्धि दर दर्ज की। कंपनी निजी बीमाकर्ताओं में 7वें और समग्र उद्योग में 12वें स्थान पर रही। कंपनी ने वित्त वर्ष 21 तक 32% की वृद्धि के साथ 544 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को क्रिसिल द्वारा उच्चतम कॉर्पोरेट क्रेडिट रेटिंग के रूप में एएए/स्थिर रेटिंग प्रदान की गई है।

एसबीआई जनरल को बिजनेस टुडे-मनी टुडे फाइनेंशियल सर्विसेज अवार्ड्स, 2021 के 25वें संस्करण में प्रतिष्ठित 'जनरल इंश्योरेंस प्रोवाइडर ऑफ द ईयर' से सम्मानित किया गया है।

कंपनी ने व्हाट्सएप पर स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराने में नवाचार के लिए फिननोविटी, 2021 पुरस्कार प्राप्त हुआ।

ग्रामीण आबादी को सशक्त बनाने और स्वच्छ जल तथा स्वच्छता अभियान की दिशा में किए गए सीएसआर प्रयासों के लिए कंपनी को आईसीसी सामाजिक प्रभाव और पुरस्कार 2021 के दो पुरस्कारों से नवाजा गया।

वर्ष के दौरान, कंपनी को आईसीएआई द्वारा आयोजित गैर-जीवन बीमा श्रेणी में 'वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता 2019-20' के लिए 'सिल्वर शील्ड' पुरस्कार प्राप्त हुआ।

एसबीआई जनरल को ग्रेट मैनेजर्स अवार्ड्स, 2020 में 'कंपनी विद ग्रेट मैनेजर्स' के रूप में मान्यता दी गई है। यह पुरस्कार कंपनी को बीएफएसआई डिजिटल स्टालियन अवार्ड्स, 2021 द्वारा लर्निंग स्पेस फाउंडेशन के साथ किए गए अपनी सीएसआर परियोजना के लिए दी गई है।

एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड (एसबीआईजीएफएल)

(करोड़ में)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	31 मार्च 2021 को शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड	137.79	86.18%	18.47

एसबीआईजीएफएल घरेलू और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए फैक्टरिंग सेवाओं का अग्रणी प्रदाता है। एसबीआई के पास कंपनी में 86.18% हिस्सेदारी है। कंपनी की सेवाएं एमएसएमई ग्राहकों के लिए बही ऋण में बंद संसाधनों को मुक्त करने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हैं। फैक्टर्स चेन इंटरनेशनल (एफसीआई) की अपनी सदस्यता के आधार पर, कंपनी 2-कारक मॉडल के तहत निर्यात प्राप्तियों से ऋण जोखिम को सुधारने में सक्षम है।

कंपनी ने मार्च 2021 को समाप्त अवधि के लिए ₹26.72 करोड़ का कर पूर्व लाभ दर्ज किया। मार्च 2020 के लिए यह ₹ 40.28 करोड़ रहा। वर्तमान अवधि में कर पश्चात लाभ पिछली अवधि के 16.77 करोड़ के मुकाबले 18.47 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2021 में 4,352 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष में यह 4,394 करोड़ रुपये रहा। 31 मार्च 2021 तक उपयोग में धन (एफआईयू) 1,378 करोड़ रुपये रहा और 31 मार्च 2020 तक यह 1,317 करोड़ रुपये था। मार्च 2021 को समाप्त 12 महीनों के लिए निर्यात फैक्टरिंग -2 फैक्टरिंग मॉडल में कारोबार यूरो 30.02 एमआईओ (पिछला वर्ष यूरो 46.48 एमआईओ) के बराबर है। भारतीय रुपयों में, ईएफ का कारोबार मार्च 2021 को समाप्त 12 महीनों के लिए 262 करोड़ रुपये था, जबकि पिछले वर्ष यह 366.58 करोड़ रुपये था।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसबीआईलाइफ)

(करोड़ में)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	31 मार्च 2021 को शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	555	55.50	1,456

एसबीआई लाइफ के पास एक बहु-चैनल वितरण नेटवर्क है जिसमें एक विशाल बैंकएश्योरेंस चैनल शामिल है, जिसमें स्टेट बैंक, भारत में सबसे बड़ा बैंकएश्योरेंस पार्टनर, एक बड़ा और उत्पादक व्यक्तिगत एजेंट नेटवर्क शामिल है जिसमें 31 मार्च, 2021 तक 170,096 एजेंट शामिल हैं, साथ ही कॉर्पोरेट एजेंटों, दलालों, बीमा विपणन फर्मों और अन्य बिचौलियों के माध्यम से प्रत्यक्ष बिक्री और बिक्री सहित अन्य वितरण चैनल शामिल हैं।

31 मार्च, 2021 को समाप्त अवधि के दौरान, कंपनी का संचालन स्वस्थ और स्थिर तरीके से किया गया। बीमा प्रवेश बढ़ाने और सक्रिय और विवेकपूर्ण रणनीति के माध्यम से व्यक्तिगत नियमित व्यवसाय और सुरक्षा व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करने के अपने एकमात्र उद्देश्य के साथ, बिक्री टीम गुणवत्ता के साथ-साथ मात्रा को बनाए रखने और एक मजबूत बाजार स्थिति स्थापित की। कंपनी ने 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष में निजी बीमाकर्ताओं के बीच अपने बाजार नेतृत्व को व्यक्तिगत नए व्यवसाय प्रीमियम, व्यक्तिगत रेटेड प्रीमियम, कुल रेटेड और कुल नए व्यवसाय प्रीमियम में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कंपनी ने 7.5% की उद्योग वृद्धि की तुलना में कुल नए बिजनेस प्रीमियम (एनबीपी) में 24% की वृद्धि देखी। 31 मार्च 2021 तक सभी निजी कंपनियों के बीच कुल नए बिजनेस प्रीमियम (एनबीपी) में एसबीआई लाइफ की बाजार हिस्सेदारी 21.9% है। वित्त वर्ष 2021 के लिए कंपनी का कुल नया व्यवसाय 20,624 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 21 के लिए समूह न्यू बिजनेस प्रीमियम 8,125 करोड़ रुपये रहा जो 52% की वृद्धि है।

जारी की गई पालिसियों की संख्या में निजी कंपनियों के बीच कंपनी ने अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखा है, जो जीवन बीमा कंपनियों के बीच सभी भौगोलिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कवरेज और मजबूत बाजार स्वीकृति को दर्शाता है। वर्ष के दौरान, 16.5 लाख से अधिक व्यक्तिगत नई पालिसियां जारी की गईं। एसबीआई लाइफ ने वित्त वर्ष 2020 की 1,422 करोड़ रुपये की कर पश्चात लाभ की तुलना में, 2% की वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 21 में 1,456 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। कंपनी का प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियां 2.2 ट्रिलियन स्थिति को पार कर गई और 31 मार्च 2020 के 1,60,363 करोड़ रुपये की तुलना में 38% वृद्धि सहित 31 मार्च 2021 को यह 2,20,871 करोड़ रुपए रहा।

नए कारोबार का मूल्य (वीओएनबी) वास्तविक कर दर के आधार पर 2,334 करोड़ रुपये था, जिसमें 16% की वृद्धि देखी गई। वास्तविक कर दर के आधार पर वोएनबी मार्जिन 20.4% था; वित्त वर्ष 20 से 170 आधार अंकों की वृद्धि अंकित मूल्य वास्तविक कर दर के आधार पर 33,386 करोड़ रुपये है, जो पिछले साल की दर से 27% की वृद्धि है।

947 कार्यालयों के अपने नेटवर्क के माध्यम से प्राप्त व्यापक पहुंच का लाभ उठाते हुए, एसबीआई लाइफ ने योजनाबद्ध तरीके से बड़े ग्रामीण क्षेत्रों को बीमा पहुंच के तहत लाया है।

वर्ष के दौरान प्राप्त पुरस्कारों और सम्मान में शामिल हैं:

1. चौथे सीएसआर हेल्थ इंपैक्ट पुरस्कार 2020 में "सीएसआर कोविड राहत परियोजना" की श्रेणी के तहत रजत पुरस्कार।
2. फिक्की द्वारा बीमा उद्योग पुरस्कार 2020 में 'इंशुरर ऑफ द इयर- लाइफ श्रेणी' पुरस्कार
3. शार्क पुरस्कार 2020 में ' वीडियो के सर्वश्रेष्ठ उपयोग' के लिए सुयश जाधव की 'रियल लाइफ रियल स्टोरीज' के लिए 'सिल्वर '
4. सर्वश्रेष्ठ ब्रांडेड सामग्री के तहत सुयश जाधव का 'रियल लाइफ रियल स्टोरीज ' के रूप में चित्रण के लिए ब्रांडवैगन ऐस अवार्ड्स 2020 में 'सिल्वर' पुरस्कार
5. कैंपेइन इंडिया डिजिटल क्रेस्ट अवार्डस में सुयश जाधव के 'रियल लाइफ रियल स्टोरीज' के रूप में चित्रण के लिए 'गोल्ड' पुरस्कार।
6. सीकेवाईसी, ऑफलाइन केवाईसी और एएसपी प्रक्रिया एकीकरण पहलों के लिए स्कोच पुरस्कार द्वारा डिजिटल टेक्नोलॉजीज के तहत 'सिल्वर'।
7. 'एशिया कंश्यूमर एंगेजमेंट प्रोग्राम फार रूरल बैंकिंग' में "सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण एक्टिवेशन बिक्री मात्रा" के लिए स्वर्ण पुरस्कार
8. 'एशिया कंश्यूमर एंगेजमेंट प्रोग्राम फार रूरल बैंकिंग' में "वर्ष के दीर्घकालिक ग्रामीण जुड़ाव कार्यक्रम" के लिए स्वर्ण पुरस्कार।
9. 'एशिया कंश्यूमर एंगेजमेंट प्रोग्राम फार रूरल बैंकिंग' में "ग्रामीण में वर्ष के छोटे बजट पर जमीनी कार्यक्रम" के लिए स्वर्ण पुरस्कार।
10. मैग्ज़टर अवार्ड्स, 2021 में लार्ज कैप श्रेणी के तहत सर्वश्रेष्ठ सीएफओ पुरस्कार।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआईएफएमपीएल)

(करोड़ में)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	31 मार्च 2021 को शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड	31.50	62.88%	860.40
एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	0.10	100%	2.74
एसबीआई फंड्स मैनेमेंट (इंटरनेशनल) प्रा. लि.	एसबीआईएफ एमपीएल द्वारा 100%		0.97

एसबीआई म्यूचुअल फंड की एसेट मैनेजमेंट कंपनी एसबीआई एफएमपीएल 2020-21 में उद्योग औसत 18.8% की दर की तुलना में 35% से अधिक की वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली एएमसी में से एक है। पिछले तीन वर्षों में, एसबीआईएफएमपीएल ने उद्योग औसत के लगभग 11.7% के मुकाबले 32.3% का सीएजीआर हासिल किया है। वित्त वर्ष 2020-21 में, फंड हाउस ने वित्त वर्ष 2019-20 में हासिल की गई पहली रैंक स्थान को मजबूत किया है। एसबीआईएफएमपीएल के पास सबसे बड़ा निवेशक आधार है, जिसमें 89.5 लाख से अधिक सक्रिय निवेशक फोलियो के साथ वर्ष में लगभग 18.5 लाख नए सक्रिय निवेशक फोलियो जोड़े गए हैं। फंड हाउस में 17.2 लाख प्रत्यक्ष निवेशक और 1273 सेवानिवृत्ति फंड सहित 1.67 लाख से अधिक संस्थागत निवेशक हैं। एसबीआईएफएमपीएल ने 50% मार्केट शेयर के साथ देश में ईटीएफ मैनेजर के रूप में अपनी शीर्ष नेतृत्व की स्थिति बनाए रखी है।

एसबीआईएफएमपीएल ने मार्च 2021 को समाप्त हुई अवधि के दौरान 860.40 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ दर्ज किया, जबकि मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के दौरान यह 603.45 करोड़ रुपये था। मार्च 2021 को समाप्त तिमाही के दौरान कंपनी की औसत "एसेट्स अंडर मैनेजमेंट" (एयूएम) 504,455 करोड़ रुपये थी, जबकि 15.71% की बाजार हिस्सेदारी थी, जबकि प्रबंधन के तहत औसत संपति 3,73,537 करोड़ रुपये थी, जो मार्च 2020 को समाप्त तिमाही के दौरान 13.82% बाजार हिस्सेदारी थी। कंपनी के पास एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड जैसी पूरी तरह से स्वामित्व वाली विदेशी सहायक कंपनी है, जो मॉरीशस में स्थित है और ऑफ-शोर फंड का प्रबंधन करती है। एसबीआईएफएमपीएल पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) और अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स (एआईएफ) भी प्रदान करता है।

समृध्द खंड में ऑरम की शुरूआत

एसबीआई पेंशन फंड प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआईपीएफपीएल)

(करोड़ में)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	31 मार्च 2021 को शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई पेंशन फंड प्राइवेट लिमिटेड*	18	60%	3.44

इस कंपनी में एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड और एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड प्रत्येक की 20% इक्विटी की हिस्सेदारी हैं।

एसबीआईपीएफपीएल को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत पेंशन कोष का प्रबंधन करने के लिए छह अन्य कंपनियों के साथ पेंशन फंड मैनेजर (पीएफएम) के रूप में नियुक्त किया गया है। एसबीआईपीएफपीएल केंद्र सरकार (सशस्त्र बलों को छोड़कर) और राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए एनपीएस के लिए एनपीएस के तहत पेंशन फंड के प्रबंधन के लिए पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा नियुक्त तीन पेंशन फंड प्रबंधकों में से एक है और निजी क्षेत्र के तहत पेंशन निधियों के प्रबंधन के लिए नियुक्त सात पेंशन फंड प्रबंधकों में से एक है। 31 मार्च 2021 तक कंपनी की कुल प्रबंधन के अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) 2,22,615.34 करोड़ रुपये (योवाई वृद्धि 39.00%) रहा जबकि 31 मार्च 2020 को यह 1,60,491.55 करोड़ रुपये था।

कंपनी ने सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में एयूएम के संदर्भ में पेंशन फंड प्रबंधकों के बीच नेतृत्व की स्थिति बनाए रखी। निजी क्षेत्र में कुल एयूएम बाजार हिस्सेदारी 55% थी, जबकि सरकारी क्षेत्र में यह 35% थी। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान पीएफआरडीए द्वारा 23 दिसंबर 2020 को सरकारी क्षेत्र की योजनाओं, निजी क्षेत्र की योजनाओं और विनियमित/प्रशासित अन्य योजनाओं के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के लिए पेंशन निधियों के प्रायोजकों के चयन के लिए प्रस्ताव (आरएफपी) का अनुरोध जारी किया गया था। कंपनी की ओर से प्रायोजकों ने आवेदन प्रस्तुत किया और कंपनी को पीएफआरडीए (पेंशन फंड) विनियम, 2015 के तहत पंजीकरण का ताजा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। कंपनी ने एनपीएस योजनाओं के तहत कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत ग्राहक के ऑनबोर्डिंग के लिए एंड-टू-एंड डिजिटल प्लेटफॉर्म भी शुरू किया है।

'कार्य करने के लिए प्रमाणित शानदार स्थान' का उत्सव प्रबंध निदेशक (आई बी, टी एवं एस) की उपस्थिति में

एसबीआई एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई-एसजी)

(करोड़ में)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	31 मार्च 2021 को शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	52	65%	87.02

एसबीआई-एसजी भारतीय स्टेट बैंक और सोसाइटी जनरल के बीच का संयुक्त उद्यम है जिसमें एसबीआई की 65% हिस्सेदारी है। कंपनी की स्थापना एसबीआई समूह द्वारा अपने प्रीमियम ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली कई प्रमुख वित्तीय सेवाओं को पूरा करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली अभिरक्षा और निधि प्रशासन सेवाओं की पेशकश करने के लिए की गई थी। एसबीआई- एसजी ने 2010 में वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया था। 31 मार्च 2020 को समाप्त हुई अवधि के लिए 62.45 करोड़ की अवधि के मुकाबले में 31 मार्च 21 को समाप्त हुई अवधि के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ 87.02 करोड़ रुपये है। 31 मार्च 21 को संचित लाभ 209.99 करोड़ है जबकि 31 मार्च 2020 को यह 143.03 करोड़ था।

31.03.2021 तक एसेट्स अंडर कस्टडी (एयूसी) ने 10,40,000 करोड़ रुपये को पार कर लिया है जबकि एसेट्स अंडर एडमिनिस्ट्रेशन (एयूए) 31.03.2021 तक 7,00,000 करोड़ रुपये को पार कर गई है। ग्लोबल कस्टोडियन पत्रिका के एजेंट बैंकों और इमर्जिंग मार्केट्स सर्वे 2020 के अनुसार एसबीआई-एसजी को भारत में अग्रणी संरक्षकों में से एक के रूप में आंका गया है। एसबीआई-एसजी को 2017 के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर/आईएसएफ सब-कस्टडी सर्वे में भारत में #1 कस्टोडियन भी आंका गया है।

एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई पेमेंट्स)

(करोड़ में)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	31 मार्च 2021 को शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	4.50	74%	139.95

एसबीआई व्यापारी अधिग्रहण व्यवसाय के लिए एक विशेष संयुक्त उद्यम यानी एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई पेमेंट्स) स्थापित करने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र बैंक बन गया और कंपनी में 74% हिस्सेदारी रखता है। कंपनी का उद्देश्य देश के सभी भौगोलिक क्षेत्रों में एक अत्याधुनिक स्वीकृति पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है और व्यापारियों को विभिन्न रूप कारकों में डिजिटल रूप से भुगतान स्वीकार करने में सक्षम बनाना है।

एसबीआई पेमेंट्स देश के सबसे बड़े अधिग्रहणकर्ताओं में से एक है जिसमें 2.22 मीओ मर्चेंट पेमेंट स्वीकृति टच पॉइंट्स और 31 मार्च 2021 को 7.47 लाख से अधिक पीओएस मशीनें भौगोलिक क्षेत्रों (टियर 1 से टियर 6) में वितरित की गई हैं। कंपनी ने हर वर्ग (माइक्रो मर्चेंट्स से लेकर बड़े व्यापारियों) के व्यापारियों की सेवा करने के लिए कम लागत वाले मोबाइल आधारित भुगतान स्वीकृति समाधान यानी योनो एसबीआई मर्चेंट एप्लीकेशन शुरू किया हैं। यह स्वीकृति मॉडल व्यापारियों के लिए अपने फोन से सीधे अपने व्यवसाय का पूरी तरह से प्रबंधन करने और क्यूआर, कार्ड और योनो जैसे विभिन्न तरीकों का उपयोग करके भुगतान स्वीकार करने के लिए तेज और सरल समाधान है। वित्त वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा की गई कुछ अन्य प्रमुख पहलों में पीओएस और एंड्रॉइड टर्मिनलों पर ई-चार्जस्लिप और ईएमआई सुविधा की शुरुआत तथा एनसीएमसी सक्षमता आदि शामिल है।

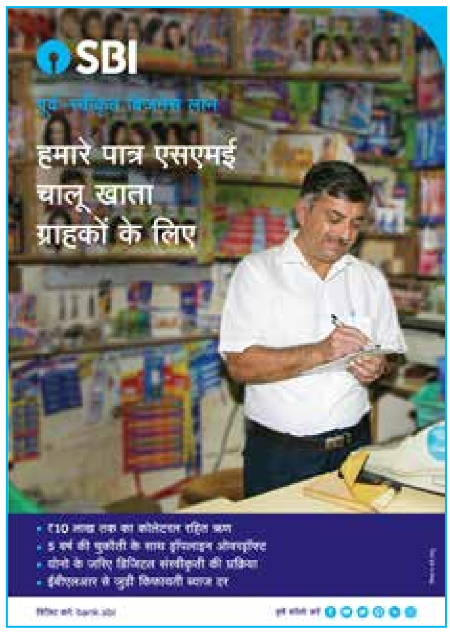

एसबीआई पेमेंट्स वर्ष 19-20 में आईएनडी-एएस अकाउंटिंग प्रणाली को अपनाने वाली एसबीआई की सहायक कंपनियों में से एक है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2019-20 में 49 करोड़ और वित्त वर्ष 2021 में 140 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

एसबीआई फाउंडेशन

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा वर्ष 2015 में कंपनी अधिनियम (2013) की धारा VIII के तहत एसबीआई फाउंडेशन की स्थापना की गई थी, इसका उद्देश्य था एसबीआई एवं उसके सहयोगियों द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक दायित्वों से जुड़े कार्यों पर योजनाबद्ध तरीके से ध्यान केंद्रित करना।

आपका बैंक एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से वर्तमान में एक समावेशी विकास प्रतिमान बनाकर भारत को बदलने के लिए विभिन्न परियोजनाओं और पहलों पर काम कर रहा है, जो सभी भारतीयों को क्षेत्र, भाषा, जाति, पंथ, धर्म के आधार पर बिना किसी भेदभाव के सेवा प्रदान करता है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से सीएसआर पहल पर कुल रु.47.92 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

1. प्रमुख कार्यक्रम

आपका बैंक नीचे दिए गए चार कार्यक्रमों में सहयोग करता है और ये कार्यक्रम एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से लागू किए जाते हैं -

ए. एसबीआई यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप (वाईएफआई):

एसबीआई यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप 12 महीने का फेलोशिप कार्यक्रम है जो भारत के प्रतिभाशाली युवाओं को ग्रामीण समुदायों के साथ काम करने, उनके संघर्षों के साथ सहानुभूति रखने और उनकी आकांक्षाओं से जुड़ने के लिए मंच प्रदान करता है। कुछ शीर्ष संस्थानों/कॉरपोरेट से चयनित फेलो चुनौतीपूर्ण विकास परियोजनाओं पर 12 साझेदार गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करते हैं। यह पहल युवाओं को जमीनी वास्तविकताओं के बारे में जागरूक होने के लिए अवसर प्रदान करती है और उन्हें मजबूत एकजुट समुदायों के निर्माण की दिशा में अपने प्रयासों के माध्यम से योगदान करने का अवसर प्रदान करती है। वाईएफआई के पास 352 प्रतिबद्ध चेंज मेकर पूर्व छात्र हैं, जिनमें से लगभग 70% पूर्व छात्र फैलोशिप के बाद भी विकास क्षेत्र के साथ जुड़े हुए हैं। वर्तमान में, 100 फॉलोवर्स के साथ 8 वें कॉहोर्ट ग्रामीण भौगोलिक क्षेत्रों में प्रभावी परियोजनाओं को लागू करने के लिए तैनात किए गए हैं।

बी. एसबीआई ग्राम सेवा कार्यक्रम

"एसबीआई ग्राम सेवा" एसबीआई फाउंडेशन का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य है

समग्र और टिकाऊ ग्रामीण विकास करना है। अगस्त 2017 में शुरू की गई एसबीआई ग्राम सेवा ग्रामीण विकास के सभी प्रमुख क्षेत्रों सहित रणनीतिक रूप से एकीकृत विकास दृष्टिकोण से अपनाए गए गांवों में विकास का कार्य कर रही है। इस कार्यक्रम के उद्देश्य हैं;

- गांवों का डिजिटलीकरण करना
- ग्रामीण छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना
- प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाना
- स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता तक पहुंच में सुधार
- टिकाऊ आजीविका प्रथाओं को बढ़ावा देना और किसानों की आय में सुधार
- ग्रामीण महिलाओं का सशक्तिकरण और युवाओं की सहभागिता
- पर्यावरण संरक्षण
- बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच के लिए ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार
- सरकार के लाभों और योजनाओं के कवरेज में सुधार
- भागीदारी ग्रामीण विकास के लिए क्षमता निर्माण

पहले चरण में असम, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के एनजीओ पार्टनर्स के साथ साझेदारी में 50 गांवों में एसबीआई ग्राम सेवा लागू की गई है। पिछले तीन वर्षों में यह कार्यक्रम समुदाय की भागीदारी को सामने लाने के अलावा गांवों में सराहनीय बदलाव लाने में सफल रहा है।

2 अक्तूबर 2020 को 5 राज्यों- मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, तेलंगाना और कर्नाटक के 25 नए गांवों को अपनाकर कार्यक्रम के दूसरे चरण की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम ने अब तक 11 राज्यों में 16396 परिवारों और 74785 लाभार्थियों को लाभान्वित किया है।

सी. दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)

उत्कृष्टता केंद्र, मुख्य रूप से कौशल वृद्धि के माध्यम से दिव्यांगों को सशक्त बनाने पर काम करता है ताकि महत्वपूर्ण और मापने योग्य सुधार किया जा सके जो व्यक्तियों को उनके संज्ञानात्मक, शारीरिक, सामाजिक और व्यावसायिक कामकाज को अनुकूलित करके अधिक उत्पादक और संतोषजनक जीवन का आनंद लेने में सक्षम बनाता है। उत्कृष्टता केंद्र ने वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 9 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के 3,678 दिव्यांग कर्मचारियों के लिए 77 ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। उत्कृष्टता केंद्र ने मानव संसाधन (एचआर) के प्रमुखों और 7 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मध्य स्तर के एचआर प्रबंधकों, गैर सरकारी संगठन और एसबीआई वाईएफआई फेलो के लिए दिव्यांगता पर 11 ऑनलाइन संवेदीकरण और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं।

दिव्यांगों के समावेश और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से बैंक द्वारा वित्तपोषित अन्य कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

- **दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एसबीआई एवं माइक्रोसॉफ्ट की रोजगार पहल (एस.ए.एम.इ.आई.पी)-**

  भारत में डिजिटल रूप से परिवर्तित बीएफएसआई क्षेत्र में 500 अल्प नियोजित दिव्यांग युवाओं के लिए कैरियर मार्ग को सक्षम बनाने हेतु माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के सहयोग से एक पहल के रूप में मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरू, चेन्नई और कोलकाता में पांच केंद्र स्थापित किए गए। यह कार्यक्रम विभिन्न सरकारी और उद्योग कौशल निकायों और गैर-लाभकारी संगठनों के सहयोग से संचालित किया जा रहा है ताकि बीएफएसआई क्षेत्र में दिव्यांग लोगों को शामिल करने के लिए एक टिकाऊ और मापनेयोग्य कार्यक्रम का निर्माण किया जा सके।

- **समावेशी शिक्षा कार्यक्रम** - मॉडल और सामुदायिक स्कूलों में शिक्षा और पुनर्वास के व्यापक उपायों को पहुँचाने के लिए कर्नाटक के विजयपुरा जिले में 200 सीडब्ल्यूएसएन (विशेष आवश्यकता वाले बच्चे) को सहायता करने के लिए एक पहल।

- **दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षा कार्यक्रम** - 50 दिव्यांग बच्चों को शिक्षा, चिकित्सा और व्यावसायिक कौशल विकास प्रदान करने और आजीविका कमाने का साधन प्रदान करने के लिए एक व्यावसायिक केंद्र स्थापित करने और इस प्रकार बौद्धिक अक्षमताओं वाले युवा वयस्कों को सशक्त बनाने की पहल।

- **श्रवण शक्ति:** जन्मजात बहरे अथवा कम सुनने वाले 0-5 वर्ष की आयु वर्ग के बीच के बच्चों को समाज की धारा में जोड़ने की एक पहल है, इसमें कोलकाता में 50 बच्चों और दिल्ली-एनसीआर में 17 बच्चों की कॉकलियर इंप्लांट सर्जरी करने में सहयोग दिया गया जो उन्हें उपयोगी जीवन व्यतीत करने में मदद कर रहा है। अब तक सभी 67 बच्चों का ऑपरेशन किया जा चुका है।

- **ब्रेली स्मार्ट क्लास:** प्रायोगिक आधार पर मुंबई में दृष्टि दोष वाले बच्चों के लिए ब्रेली सेल्फ-लर्निंग उपकरणों के रूप में एक स्वतंत्र, समावेशी और सुलभ शिक्षण तंत्र के उपयोग से समावेशी शिक्षा प्रदान करने की पहल।

डी. हेल्थकेयर फ्लैगशिप कार्यक्रम

भारत में कोविड-19 महामारी से मुकाबला करने और सरकार के प्रयासों को पूरा करने के उद्देश्य से, एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से आपके बैंक ने स्वास्थ्य देखभाल पर एक नया फ्लैगशिप कार्यक्रम शुरू किया है और भारत में कोविड-19 महामारी का मुकाबला करने के लिए अल्पकालिक और मध्य/दीर्घकालिक दोनों राहत पहल की शुरूआत की है।

I. कोविड 19 राहत पहल

कोविड-19 महामारी के दौरान, देश में वेंटिलेटर, अन्य स्वास्थ्य उपकरण, स्वास्थ्य कर्मियों और पुलिस द्वारा उपयोग के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट की भारी कमी का सामना करना पड़ा है। एसबीआई फाउंडेशन ने 335 वेंटीलेटर खरीदकर देश भर में एसबीआई मंडलों की मदद से उन सरकारी अस्पतालों में वितरित किए जो कोविड-19 के खिलाफ युद्ध में अग्रिम पंक्ति में हैं। वेंटिलेटर के अलावा 3,650 अन्य स्वास्थ्य उपकरण खरीदे गए जिनमें थर्मल स्कैनर, सरकारी अस्पतालों में वितरण के लिए सेल्फ चेक कियोस्क, आईआर थर्मामीटर, पल्स ऑक्सीमीटर, ईसीजी मशीन, एनएसटी मशीन, 2D इको मशीन, फ्यूमिगेटर, फॉगिंग मशीन, मल्टीपरायर मॉनिटर, नेबुलाइजर, रेडियोमीटर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, एचएफएमसी मशीन, आईवी स्टैंड, कार्डियो मॉनिटर, बीपाप मशीन, स्ट्रेचर केबिन, रिकवरी ट्रॉली और एयर कंडीशनर आदि सरकारी अस्पतालों में वितरित किए गए। देश भर के स्वास्थ्य कर्मियों और पुलिस बल को 74767 पीपीई किट भी वितरित किए गए हैं।

भारत में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए राज्य सरकारों द्वारा लागू लॉकडाउन के कारण प्रवासियों, घरेलू श्रमिक और दैनिक मजदूरी करके कमाने वालों पर काफी असर पड़ा। 6,85,665 ताजा पका हुआ भोजन और सूखे राशन का किट कमजोर समुदायों के लोगों के बीच वितरित किए गए ताकि उन्हें लॉकडाउन के दौरान जीवन यापन करने में मदद मिल सके। कोविड-19 से मुकाबले में बैंक के योगदान के रूप में,एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से आपके बैंक ने मोबाइल मोलेक्युलर डाइअग्नास्टिक और परीक्षण प्रयोगशाला डिजाइन करने के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के माध्यम से दो अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को वित्त पोषित किया, जिसे टर्न अराउंड समय को कम करने, कोविड-19 के परीक्षण समय को कम करने तथा स्थानीय रूप से उपलब्ध घटकों के साथ एक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल वेंटिलेटर डिजाइन करने के लिए कर्नाटक सरकार को सौंप दिया गया है।

एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से आपके बैंक ने भारत में विभिन्न राज्यों में 327,954 स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं,जो कोरोना वायरस की रोकथाम और उपचार के लिए सर्वोत्तम उपायों के माध्यम से कोविड-19 से सबसे अधिक जोखिम वाले समुदायों और आबादी की सेवा कर रहे हैं, को प्रशिक्षित और मेंटर बनाने के एक पहल को भी सहयोग प्रदान किया। इस परियोजना के तहत असम, गुजरात, महाराष्ट्र (पीएचआई नागपुर के साथ), पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश (एसजीपीजीआईएमएस के साथ), कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और केरल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशनों के साथ 10 केंद्रों की स्थापना की गई थी तथा इस परियोजना के अंतर्गत 10 प्रमुख राज्यों से 10 एसटीओ की पहचान की गई थी।

II. इंडिया हेल्थ एलायंस, एसबीआई फाउंडेशन की एक पहल

एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से आपके बैंक ने देश में वर्तमान और भविष्य की स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों से निपटने के प्रयासों में भारत सरकार का सहयोग करने के लिए एक सहयोगी स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम इंडिया हेल्थ एलायंस (आईएचए) शुरू किया है। आईएचए का मुख्य ध्यान भारत में कोविड-19 महामारी का मुकाबला करने, कमजोर आबादी को व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और इष्टतम पोषण प्रदान करने, अभिनव वित्त को बढ़ावा देने के साथ-साथ नवाचारों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा पर रहा, जो देश की स्वास्थ्य प्रणालियों को समग्र रूप से मजबूत कर सकते हैं। एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से आपके बैंक ने विभिन्न कार्यान्वयन भागीदारों के साथ साझेदारी में मध्य/दीर्घकालिक कोविड-19 राहत पहल की:

- **समुदाय आधारित परीक्षण-** यह पहल मुंबई, भारत में शहरी झुग्गी इलाके में कोविड-19 हेतु समुदाय आधारित परीक्षण को शुरू करके कमजोर आबादी तक पहुंचने की पहल है। इस पहल का उद्देश्य है आसान पहुंच और तत्काल उपचार के लिए स्थापित नैदानिक केंद्र के माध्यम से त्वरित परीक्षण (9,000 - 14,000 कोविड-19 परीक्षणों के बीच) तथा गहन सामुदायिक निगरानी के माध्यम से कोविड-19 की शीघ्र पहचान करना।

- **कमजोर वर्गों के लिए टेली-केयर-** मध्य प्रदेश के इंदौर शहर की बस्तियों में कमजोर समुदायों तक पहुंचने की पहल है। इस पहल द्वारा व्यक्ति केंद्रित प्राथमिक देखभाल प्रदान करना, सामाजिक योजनाओं तक पहुंचने में परामर्श और सहयोग प्रदान करने वे भावनात्मक सहयोग प्रदान करना है। इस परियोजना को इंदौर में दो अति-स्थानीयकृत संवेदनशील समूहों में लागू किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक क्लस्टर में 50,000 की आबादी और 1,00,000 प्रत्यक्ष लाभार्थी शामिल हैं।

- **सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में मौजूदा प्रयासों को मजबूत करने के लिए व्यापक कोविड-19 उपचार** - सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों जैसे मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, लखनऊ, गुंटूर, विशाखपट्टणम और राजमुंद्री में पीएचसी, अस्पतालों और संगरोध केंद्रों सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल संगठनों में 2 स्वदेश में विकसित अभिनव प्रौद्योगिकियों/समाधान - सीओईओ लैब्स (एआई और सेंसर-आधारित स्राव प्रबंधन उत्पाद) और टर्टल शेल टेकनॉलजीज डोजी(भारत का पहला संपर्क रहित महत्वपूर्ण निगरानी उपकरण) की तैनाती।

सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर प्लेटफॉर्म्स (सी-कैंप) के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से प्रौद्योगिकियों का समर्थन किया गया, जो जैव प्रौद्योगिकी, विज्ञान मंत्रालय, प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान भारत सरकार द्वारा समर्थित पहल है।

III. कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ साझेदारी में परियोजनाएं

भारतीय स्वास्थ्य परिदृश्य में सुधार की दिशा में योगदान करने के लिए, आपके बैंक ने सभी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से विभिन्न सीएसआर परियोजनाओं में भी अपना सहयोग दिया है। कुछ प्रमुख परियोजनाएं इस प्रकार हैं;

- **स्वस्थ महिला, स्वस्थ गोवा-**

  राज्य में 02 वर्ष की अवधि के दौरान 1,00,000 महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की जाँच के लिए गोवा सरकार को आईब्रेस्ट डिवाइस, प्रशिक्षण और क्षमता विकास में उपकरण, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में सहयता हेतु एक पहल है।

- **मानसिक स्वास्थ्य प्रतिपालन हेतु स्कूल पहल -**

  इस पहल के अंतर्गत मुंबई में स्कूलों को सहयोग प्रदान किया जाता है। यह महामारी में शिक्षकों, काउंसलर और नेताओं हेतु क्षमता निर्माण के लिए वेबिनार का आयोजन और स्कूलों को ऑनलाइन परामर्श प्रदान करना; और पूरे स्कूल के मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं हेतु प्रणाली विकसित करने व इसे सुदृढ़ करने के मार्ग विकसित करने की एक पहल है।

- **प्रोजेक्ट जागृति -**

  थाने जिला के मुरबाद तहसील में सुदूर गांव और आदिवासी बस्तियों, जिनके पास स्वास्थ्य सुविधाओं तक सीमित अथवा कोई पहुंच नहीं है, तक बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना और स्वास्थ्य देखभाल के बारे में जागरूकता पैदा करने की पहल है।

- **संजीवनी: क्लिनिक ऑन व्हील्स (सिक्किम और तेलंगाना) -**

  सिक्किम के नामची ब्लॉक और तेलंगाना के गदवाल जिले में 20 ग्रामीण गांवों तक दो मोबाइल चिकित्सा इकाइयों को संचालित करने की पहल।

प्रमुख कार्यक्रमों और कोविड-19 राहत प्रतिक्रिया के अलावा, एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से आपके बैंक ने विभिन्न विषयगत क्षेत्रों में निम्नलिखित सीएसआर पहलों में सहयोग किया है:

एसबीआई अध्यक्ष एवं बीपीसीएल के प्रबंध निदेशक एसबीआई कार्ड आक्टेन लांच करते हुए

2. शिक्षा

शिक्षा समाज के भीतर सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण साधनों में से एक है। हालांकि, समाज के सभी वर्गों को शिक्षा की समान रूप से पहुंच नहीं है और इसलिए, एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से आपके बैंक ने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच प्रदान करने के लिए विभिन्न शैक्षिक परियोजनाओं का समर्थन किया है। कुछ प्रमुख परियोजनाओं का उल्लेख इसके तहत किया गया है;

- **ज्ञानशाला माध्यमिक विद्यालय कार्यक्रम -**

  अहमदाबाद, गुजरात की झोपड़पट्टियों में रहने वाले चौथी और आठवीं ग्रेड तक के शिक्षा से वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण माध्यमिक विद्यालय की शिक्षा प्रदान करने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाने की पहल। परियोजना के तहत कुल 1,799 स्कूल से वंचित बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाले माध्यमिक विद्यालय की शिक्षा प्रदान की गई है। ज्ञानशाला मॉडल में स्कूलों में सीखने की कल्पना और आयोजन के तरीके को फिर से परिभाषित करने की क्षमता है।

- **सीएम आरआईएसई - नए क्षितिज -**

  मध्य प्रदेश के 52 जिलों में निरंतर उच्च गुणवत्ता वाले व्यावसायिक विकास के माध्यम से शिक्षक कार्यबल की गुणवत्ता में सुधार करके सरकारी स्कूलों में अध्ययन करने वाले वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए एक पहल है। इससे राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता में काफी सुधार होगा।

- **प्रारंभिक भाषा शिक्षण कार्यक्रम -**

  हरियाणा के अंबाला जिले के स्कूलों में ~16,000 बच्चों के भाषा सीखने के परिणामों में सुधार लाने के उद्देश्य से सरकारी स्कूल के शिक्षकों की क्षमताओं के निर्माण की पहल। कार्यक्रम के तहत अंबाला जिले के 479 स्कूलों में पढ़ने वाले 7,138 बच्चों को इस योजना का लाभ पहुँचाया जा रहा है। प्रारंभिक भाषा शिक्षण कार्यक्रम भारत के पहले विकास प्रभाव बांड "हरियाणा प्रारंभिक साक्षरता परिणाम विकास प्रभाव बांड (डीआईबी)" का एक हिस्सा है।

- **व्यक्तिगत सुरक्षा शिक्षा और बाल यौन शोषण रोकथाम और प्रशिक्षण -**

  मुंबई, महाराष्ट्र के स्कूलों को शामिल करते हुए व्यक्तिगत सुरक्षा शिक्षा पहल के माध्यम से व्यक्तिगत सुरक्षा के संदेशों के साथ 3,429 से अधिक बच्चों और 1,509 देखभाल करने वालों तक पहुंचने की पहल। इस पहल से छात्र यौन उत्पीड़न की पहचान कर उसके संबंध में बात कर सकेंगे और अपने अनुभवों का खुलासा करेंगे जिससे वे कम असुरक्षित महसूस करेंगे और इस अपराध पर मौन रहने की संस्कृति को खत्म करने में मदद करेगा।

- सीखे, खेलें और बढ़ें- भारत में मेघालय के 4 जिलों में 3,000 आंगनवाड़ियों में 60,000 बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक सामग्री प्रदान करने की पहल। इस कार्यक्रम की सहायता से खेल-कूद पर आधारित तरीके से प्रारंभिक शिक्षा सामग्री के उपयोग के माध्य से बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (आंगनवाह) की क्षमता का निर्माण किया जाता है तथा खेल-कूद के माध्यम द्वारा बच्चे के शैक्षिक विकास में सहयोग के लिए माता-पिता और देखभाल करने वालों को शिक्षित किया जाता है।
- गदाधर अभ्युदय प्रकल्प (जीएपी) परियोजना- जीएपी यूनिट में नामांकित वंचित बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के उद्देश्य से गतिविधियों के संचालन के लिए 3 वर्ष की अवधि के लिए 5 जीएपी इकाइयों का समर्थन करने की पहल।

3. खेलों को बढ़ावा

- एसटीईएएम छात्रवृत्ति - विभिन्न खेलों के 13 निचले स्तर के एथलीटों के लिए अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन ट्रस्ट के साथ साझेदारी में एक साल तक चलने वाली एसटीईएएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, एनालिटिक्स और मेडिसिन के लिए समर्पित) छात्रवृत्ति को सहायता प्रदान करने की पहल, उन्हें खेल विज्ञान सुविधाओं तक पूरी पहुंच प्रदान करना और अपने कोचों के परामर्श से अपने लक्ष्यों के आधार पर अनुकूलित खेल विशिष्ट दिनचर्या प्रदान करना।

4. राष्ट्रीय विरासत, कला और संस्कृति का संरक्षण

संस्कृति और विरासत के संरक्षण के दोहरे लक्ष्यों को प्राप्त करने और "स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थान " पहल में योगदान करने के लिए, एसबीआई फाउंडेशन ने निम्नलिखित परियोजनाओं में सहयोग किया है:

- स्वच्छ आइकॉनिक सीएसएमटी - मध्य रेलवे के साथ साझेदारी में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई के धरोहर भवन के दक्षिण और पूर्व अग्रभाग के संरक्षण और पुनर्नवीकरण के लिए पहल।

5. पर्यावरण और संवहनीयता

आपका बैंक पर्यावरण संरक्षण और उसके कार्बन पद चिह्न को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए, एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से आपके बैंक ने निम्नलिखित परियोजनाओं का समर्थन किया है;

- वेस्ट नो मोर (और बर्बादी नहीं) - बृहनमुंबई महानगर पालिका, हिंदुस्तान यूनिलीवर इंडिया और जायंटेओ इंडिया के सहयोग से सूखे कचरे के प्रबंधन के साथ शुष्क अपशिष्ट प्रबंधन के 100% पृथक्करण और पुनर्चक्रण की एक अभिनव निजी सार्वजनिक भागीदारी (पीपीपी) परियोजना।
- स्वच्छता परियोजना - असम के बक्सा जिले में डेकाडोंग और डूमनी गांवों में 42 नए सामुदायिक शौचालयों के निर्माण और 15 मौजूदा सामुदायिक शौचालयों को अपग्रेड करने के लिए एसबीआई ग्रीन फंड की पहल।
- हरित आजीविका की ओर: बांस आधारित आजीविका और टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना - महाराष्ट्र के नासिक और पालघर जिलों में आदिवासी किसानों की निजी/सामुदायिक बंजर भूमि पर बनाई गई 6 नर्सरियों में 12,000 बांस के पौधे लगाने के लिए एसबीआई ग्रीन फंड की पहल।
- वृक्षारोपण परियोजना - राजस्थान के उदयपुर में 42 हेक्टेयर से अधिक बंजर भूमि में पेड़ों की 10,000 देशी प्रजातियों के पौधे लगाने के लिए एसबीआई ग्रीन फंड की पहल।
- जल धारा - 4 हिमालयी झरनों को पुनर्युवनित करने और ओप्टिमॉम स्प्रिंग शेड प्रबंधन द्वारा जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एसबीआई ग्रीन फंड की पहल। इस पहल द्वारा उत्तराखंड के अल्मोड़ा और बागेश्वर जिलों में सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से झरनों को पुनर्जीवित किया जाता है।
- स्वच्छ ऊर्जा - ओड़िशा के कालाहांडी और गजपति जिलों में निरंतर स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने के लिए सौर फोटोवोल्टिक प्रणाली के साथ मौजूदा माइक्रो हाइड्रो प्लांट के संकरण के साथ विकेंद्रीकृत सौर होम लाइटिंग समाधान प्रदान करने के लिए एसबीआई ग्रीन फंड की पहल।
- प्रोजेक्ट वेस्टएंड - राजस्थान के अजमेर जिले में रहने वाले समुदायों द्वारा संचालित और प्रबंधित कम लागत वाले अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को डिजाइन और स्थापना के लिए ग्रामीण समुदायों को सक्षम बनाने के लिए एसबीआई ग्रीन फंड पहल.
- ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना- भारत के पश्चिमी घाट में संरक्षित वन क्षेत्रों में और उसके आसपास रहने वाले 150 स्वेच्छा से पुनर्वासित परिवारों को वैकल्पिक सतत आजीविका सहायता प्रदान करके संरक्षित क्षेत्र के तहत 375 एकड़ भूमि को पुनः प्राप्त करने के उद्देश्य से सहायता और सशक्त बनाने की पहल।

6. अनुसंधान एवं विकास

आपके बैंक ने आईआईटी मद्रास के सहयोग से भारत में स्वच्छ ऊर्जा परिवहन और टिकाऊ ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनुसंधान और विकास के प्रयासों में सहयोग किया है;

- सीबीईईवी की परिसंपत्तियों और बुनियादी ढांचे का विकास और उन्नयन- सीबीईईवी में अनुसंधान सुविधाओं के उन्नयन के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए सीबीईईवी की परिसंपत्तियों और बुनियादी ढांचे के विकास और उन्नयन का समर्थन करने के लिए पहल, ताकि सीबीईईवी ली-आयन बैटरी, चार्जर, ईवीएस, माइक्रो ग्रिड आदि पर विभिन्न परीक्षण आयोजित करके अनुसंधान और विकास गतिविधियों व अभिनव उत्पाद विकसित करने में सक्षम हो और उत्पाद लागत प्रभावी व उपयोगकर्ता के अनुकूल हो सके।
- बुनियादी ढांचा सुपुर्दगी में बुनियादी ढांचा प्रणाली प्रयोगशाला और अनुसंधान एवं विकास - बुनियादी ढांचे के विकास में समस्याओं को हल करने की दृष्टि से, प्रोटोटाइप और अगली पीढ़ी के समाधान का परीक्षण करने के लिए एक आधुनिक बुनियादी ढांचा प्रणाली प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद करके माध्यम से बुनियादी ढांचा प्रणाली प्रयोगशाला की स्थापना और बुनियादी ढांचा सुपुर्दगी में अनुसंधान एवं विकास शुरू करने के लिए पहल।

पुरस्कार:

एसबीआई फाउंडेशन ने अपनी सीएसआर पहलों के लिए इस वर्ष के दौरान दो पुरस्कार जीते हैं:

पुरस्कार का नाम	श्रेणी
ग्रांट थॉर्नटन एसएबीईआरए 2020 पुरस्कार	कृषि और ग्रामीण विकास
महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल द्वारा कोरोना वॉरियर्स पुरस्कार।	स्वास्थ्य देखभाल
आईसीसी सोशल इम्पैक्ट पुरस्कार 2021	ग्रामीण आबादी को सशक्त बनाना

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी)

हमारे देश की आबादी का 2/3 (दो तिहाई) हिस्सा ग्रामीण क्षेत्र में रहता है जो भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करता है। इस दिशा में बड़ी भूमिका निभाने के लिए हमारे द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) का नेटवर्क चारों ओर फैला हुआ है और इस अवसर का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह सक्षम है। बृहद संख्या में बैंक खाता एवं दशकों से चलती आ रही विश्वास अर्जित सेवा परंपरा के कारण क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के पास एक बड़ा प्रतिस्पर्धात्मक लाभ है, परिणामस्वरूप ग्रामीण ग्राहकों के साथ उनकी निकटता अधिक है।

- स्टेट बैंक ने विभिन्न राज्यों (14) में क्षेत्रीय स्तरों पर कार्य करने वाले क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (14) को प्रायोजित किया है। कुल मिलाकर (216) जिलों में आरआरबी की (4,726) शाखाएँ कार्यरत हैं (31 मार्च 2021 तक) ।

- 31-03-2021 तक भारतीय स्टेट बैंक के पास प्रत्येक आरआरबी में 35% हिस्सेदारी है, जिसमें भारत सरकार के पास 50% हिस्सेदारी और संबंधित राज्य सरकारों के पास शेष 15% हिस्सेदारी है।

- एसबीआई द्वारा प्रायोजित आरआरबी सीबीएस प्लेटफॉर्म पर कार्य करते हैं और देश में काम कर रहे किसी भी अन्य वाणिज्यिक बैंकों के बराबर बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं। बैंकों ने सर्वोत्तम कार्य प्रणाली को अपनाया है और अपने ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्र में ग्राहकों की लगातार उभरती मांगों को पूरा करने के लिए पूरी तरह सक्षम हैं।

एसबीआई द्वारा प्रायोजित आरआरबी में एसबीआई का स्वामित्व प्रतिशत

%	क्र.सं.	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का नाम
35.00%	1	आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक
35.00%	2	अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक
35.00%	3	छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक
35.00%	4	इलाकुयाई देहाती बैंक
35.00%	5	झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक
35.00%	6	मध्यांचल ग्रामीण बैंक
35.00%	7	मेघालय ग्रामीण बैंक
35.00%	8	मिज़ोरम ग्रामीण बैंक
35.00%	9	नागालैंड ग्रामीण बैंक
35.00%	10	राजस्थान मरुधारा ग्रामीण बैंक
35.00%	11	सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक
35.00%	12	तेलंगाना ग्रामीण बैंक
35.00%	13	उत्कल ग्रामीण बैंक
35.00%	14	उत्तराखंड ग्रामीण बैंक

वित्तीय वर्ष 2020-21 की प्रमुख व्यावसायिक विशेषताएँ -

- 31 मार्च 2021 तक बैंक द्वारा प्रायोजित 14 आरआरबी की कुल जमा राशियां और अग्रिम क्रमशः 1,05,627 करोड़ और 66,578 करोड़ थीं। इसकी तुलना में 31 मार्च 2020 को यह क्रमशः ₹93,474 करोड़ तथा ₹ 57,842 करोड़ रहा।

- समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, लगातार चुनौतीपूर्ण व्यापक आर्थिक वातावरण और कोविड महामारी के बावजूद, बैंक ने (31 मार्च 2021 तक) वार्षिक (13.00%) जमा और (15.06%) अग्रिम के साथ अपने व्यवसाय में सुधार किया है। पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए एक योजनाबद्ध रणनीति के रूप में, आरआरबी ने क्रमशः 20.35% और 91.73% (वार्षिक) द्वारा अपने आवास ऋण और गोल्ड लोन एक्सपोजर का विस्तार किया।

- वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान सभी आरआरबी ने मिलकर 1457.69 करोड़ रुपए की पेंशन के पर्याप्त प्रावधान के बावजूद 31 मार्च 2020 के निवल लाभ के ₹ 248.80 करोड़ की तुलना में 1004.28 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ प्राप्त किया है। बैंक अपने कोर बैंकिंग कारोबार से आय में सुधार, शुल्क आय धाराओं को मजबूत बनाने और परिचालन लागत पर नियंत्रण बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करते रहते हैं।

- अनर्जक आस्तियों को कम करने के लिए केंद्रित दृष्टिकोण के कारण वित्त वर्ष 2020 के 5.96 प्रतिशत की तुलना में चालू वर्ष में संयुक्त सकल अनर्जक आस्ति अनुपात घटकर 5.44 प्रतिशत हो गया।

- पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में चालू वर्ष के दौरान(31 मार्च 2021 तक) प्रति कर्मचारी कारोबार ₹ 8.43 करोड़ से बढ़कर ₹10.10 करोड़ हुआ है।

वित्तीय वर्ष 2020-21 की प्रमुख गतिविधियाँ:

समीक्षाधीन वर्ष में कई महत्वपूर्ण गतिविधियाँ हुई हैं, जिनमें से कुछ निम्न में दिए गए हैं:

- नवंबर 2019 में, उत्तर प्रदेश राज्य में संचालित 3 आरआरबी को मिलाने के भारत सरकार के निर्णय के अनुसार, एसबीआई द्वारा प्रायोजित "पूर्वांचल बैंक" को 01.04.2020 से बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रायोजन के तहत बड़ौदा यूपी बैंक के साथ मिलाया गया है।

- परिसंपत्ति प्रबंधन केंद्र (एएमएच) - एक केंद्रीकृत क्रेडिट प्रोसेसिंग सिस्टम, की शुरुआत के कारण 4,726 शाखा नेटवर्क वाले 14 आरआरबी को आगामी वर्षों में और अधिक कुशलता से काम करने की उम्मीद है।

- नए युग के बैंकों से प्रतिस्पर्धात्मक मुकाबला करने और डिजिटल उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए, हमारे 2 बड़े आरआरबी यानी आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक और तेलंगाना ग्रामीण बैंक ने वीडियो केवाईसी सुविधा के साथ डिजिटल खाता खोलने के लिए मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। यह सुविधा एसबीआई द्वारा प्रायोजित सभी 14 आरआरबी में लागू की जा रही है।

आरआरबी से बाहर निकले बैंक का विवरण निम्नानुसार है: -

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का नाम	राशि
पूर्वांचल बैंक	13.21

भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, एसबीआई द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) और अन्य बैंकों द्वारा प्रायोजित आरआरबी के बीच निम्नलिखित समामेलन हुए हैं।

आरआरबी के समामेलन का विवरण, जहां स्थानांतरिती आरआरबी भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित नहीं हैं, नीचे दिए गए हैं -

स्थानांतरणकर्ता आरआरबी का नाम	स्थानांतरणकर्ता आरआरबी को प्रायोजित करने वाल बैंक	आरआरबी के सम्मेलन के बाद आरआरबी का नया नाम	स्थानांतरिती आरआरबी को प्रायोजित करने वाला बैंक	समामेलन की प्रभावी तिथि
बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक	बैंक ऑफ बड़ौदा	बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक	बैंक ऑफ बड़ौदा	1 अप्रैल,2020
काशी गोमती संयुक्त ग्रामीण बैंक	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया			
पूर्वांचल बैंक	भारतीय स्टेट बैंक			

सहयोगी :

क्र. सं.	सहयोगी का नाम	देश	समूह का हिस्सा (%)	
			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक	भारत	35.00	35.00
2	अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
3	छत्तीसगड़ राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
4	इलाकुयाई देहाती बैंक	भारत	35.00	**36.27$$**
5	झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
6	मध्यांचल ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	**35.46##**
7	मेघालया ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
8	मिज़ोरम ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
9	नागालैंड ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
10	पूर्वांचल बैंक	भारत	35.00	35.00
11	राजस्थान मरुधारा ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
12	सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
13	तेलंगाना ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
14	उत्कल ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	**36.51****
15	उत्तराखंड ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00

$$ प्रायोजक बैंक और राज्य सरकार ने शेयर पूंजी के अनुमोदित नए अंश के रूप में क्रमशः 5.48 करोड़ रुपये और 2.35 करोड़ रुपये लगाया था। वित वर्ष 2020-21 के दौरान, केंद्र सरकार ने 7.83 करोड़ रुपये की शेयर पूंजी के अपने हिस्से को लगाया और हमारी हिस्सेदारी 35% तक बहाल हो गई है।

प्रायोजक बैंक और भारत सरकार ने शेयर पूंजी के अनुमोदित नए अंश के रूप में क्रमशः 8.91 करोड़ रुपये और 12.73 करोड़ रुपये लगाया था। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, राज्य सरकार ने 3.82 करोड़ रुपये की शेयर पूंजी लगाया और हमारी हिस्सेदारी 35% तक बहाल हो गई है।

*** प्रायोजक बैंक और भारत सरकार ने शेयर पूंजी के नए अंश के रूप में क्रमशः 93.856 करोड़ रुपये और 134.08 करोड़ रुपये लगाया। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, राज्य सरकार ने 40.22 करोड़ रुपये की शेयर पूंजी के अपने हिस्से को लगाया और हमारी हिस्सेदारी 35% तक बहाल हो गई है।*

वर्ष के दौरान, एसबीआई ने अपने प्रायोजित निम्नलिखित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) में निवेश/विनिवेश पूंजी लगाया है-

(₹ in crore)

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	निवेश राशि	विनिवेश राशि	टिप्पणी
मध्यांचल ग्रामीण बैंक	5.31	0.00	
पूर्वांचल बैंक	0.00	13.21	समामेलन के कारण
कुल	5.31	13.21	

उपरोक्त पूंजी लगाने के बाद एसबीआई समूह की हिस्सेदारी पहले के समान बनी हुई है।

अनुसूची V, भाग ख - प्रबंधन:

सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) (संशोधन) विनियम 2018 के अनुपालन के संदर्भ में, नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार निम्नलिखित अनुपात में 25% से अधिक की परिवर्तन हुआ है:

(% में)	मार्च 20	मार्च 21	अंतर (बीपीएस)	% परिवर्तन
निवल लाभ मार्जिन	4.79	6.61	182	38.00
आरओई	7.74	9.94	220	28.42

शुद्ध लाभ मार्जिन:

शुद्ध लाभ में 40.88% की वृद्धि दर्ज की गई है (वित्त वर्ष 2020 में 14,488 करोड़ रुपये के लाभ से वित्त वर्ष 2021 के दौरान 20,410 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ) कुल आय में केवल 2.02% की वृद्धि के मुकाबले (वित्त वर्ष 20 में 3,02,545 करोड़ से वित्त वर्ष 21 में 3,08,647 करोड़ रुपये) तक)।

नेटवर्थ पर प्रतिलाभ:

शुद्ध लाभ में 40.88% की वृद्धि दर्ज की गई है (वित्त वर्ष 2020 में 14,488 करोड़ रुपये के लाभ से वित्त वर्ष 2021 के दौरान 20,410 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ से) बैंक की नेटवर्थ में केवल 9.50% की वृद्धि (वित्त वर्ष 20 में 1,96,037 करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 21 में 2,14,666 करोड़ रुपये तक)।

VI. उत्तरदायित्व वक्तव्यः

निदेशक बोर्ड एतद द्वारा सूचित करता है किः

i वार्षिक लेखे तैयार करते समय लागू लेखामानकों का समुचित अनुपालन किया गया है और महत्वपूर्ण विचलनों की स्थिति में समुचित स्पष्टीकरण दिया गया है;

ii उन्होंने ऐसी लेखा नीतियों का चयन और सुसंगत प्रयोग किया है और उचित और विवेकपूर्ण निर्णय और प्राक्कलन किए हैं, ताकि 31 मार्च 2021 तक अपने बैंक के मामलों की स्थिति और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आपके बैंक के लाभ और हानि का एक सच्चा और उचित दृष्टिकोण दिया जा सके;

iii कि उन्होंने आपके बैंक की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों के रखरखाव के लिए उचित और पर्याप्त सावधानी बरती है;

iv उन्होंने वार्षिक लेखों को वर्तमान औरभावी सततअपेक्षाओं के अनुसार तैयार किया है;

v बैंक द्वारा अनुपालन किए जाने के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रण निर्धारित किए गए हैं और ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त हैं और प्रभावी रूप से कार्य कर रहे हैं;

vi सभी प्रयोज्य कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त प्रणाली तैयार की गई है तथा ऐसी प्रणाली पर्याप्त है और प्रभावी रूप से कार्य कर रही है।

VII. आभार

वर्ष के दौरान श्री संजीव मल्होत्रा, श्री भास्कर प्रामाणिक और श्री बसंत सेठ 25 जून 2020 को और डॉ पूर्णिमा गुप्ता 31 जनवरी 2021 को उनके संबंधित कार्यकाल पूरा होने के कारण बोर्ड से सेवानिवृत्त हो गईं। श्री बी वेणुगोपाल को भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के तहत बोर्ड में 26 जून 2020 से शेयरधारकों द्वारा निदेशक के रूप में पुनर्निर्वाचित किया गया था। डॉ गणेश नटराजन, श्री केतन एस विकमसी और श्री मृगांक एम परांजपे को भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (ग) के तहत 26 जून 2020 से बोर्ड में निदेशक के रूप में शेयरधारकों द्वारा चुने गए। श्री अश्वनी भाटिया को 24 अगस्त, 2020 से बोर्ड में प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए, जबकि श्री स्वामीनाथन जे और श्री अश्विनी कुमार तिवारी 28 जनवरी, 2021 से बोर्ड में प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए।

श्री रजनीश कुमार 6 अक्तूबर 2020 को अपना कार्यकाल पूरा होने पर अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त हुए थे और श्री दिनेश कुमार खारा को 7 अक्तूबर 2020 से उनके स्थान पर अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। श्री अरिजीत बसु, प्रबंध निदेशक, 31 अक्तूबर 2020 को सेवानिवृत्त हुए।

निदेशक बोर्ड ने भूतपूर्व अध्यक्ष श्री रजनीश कुमार, प्रबंध निदेशक श्री अरिजीत बसु और गैर-कार्यकारी निदेशक श्री संजीव मल्होत्रा, श्री भास्कर प्रामाणिक, श्री बसंत सेठ और डॉ पूर्णिमा गुप्ता द्वारा बोर्ड की चर्चाओं में दिए गए योगदानों के लिए उनकी सराहना की।

निदेशकों ने नए अध्यक्ष श्री दिनेश कुमार खारा, नए प्रबंध निदेशक श्री अश्वनी भाटिया, श्री स्वामीनाथन जे, श्री अश्विनी कुमार तिवारी और नए गैर-कार्यकारी निदेशकों, डॉ गणेश नटराजन, श्री केतन एस विकमसी और श्री मृगांक एम परांजपे का बोर्ड में स्वागत किया।

निदेशकों ने भारत सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक, सेबी, आईआरडीए और अन्य सरकारी और विनियामक एजेंसियों से प्राप्त मार्गदर्शन और सहयोग के लिए भी अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

निदेशकों ने सभी मूल्यवान ग्राहकों, शेयरधारकों, बैंकों और वित्तीय संस्थानों, स्टॉक एक्सचेंजों, रेटिंग एजेंसियों और अन्य हितधारकों को उनके संरक्षण और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और इस अवसर पर बैंक के कर्मचारियों की समर्पित और प्रतिबद्ध टीम के लिए अपना आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय निदेशक बोर्ड
के लिए और उनकी ओर से

अध्यक्ष

दिनांकः 21 मई 2021